Seventeenth Loksabha

>

Title: Request the government to take action against the banks for misuse of the condition of corona virus.

श्री सय्यद ईमत्याज ज़लील (औरंगाबाद): अध्यक्ष महोदय, कोरोना वायरस की वजह से आज सिर्फ देश भर में ही नहीं, पूरी दुनिया भर के अंदर जितने भी प्रिवेंटिव और प्रिकॉशनरी मेजर्स लिए जा रहे हैं, सब लोगों से सरकार ने कहा कि सारे धंधे-दुकानें बंद कर दो, तो बंद कर दिए गए। एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन्स बंद कर दिए गए। लेकिन महाराष्ट्र के अंदर एक सरकारी बैंक ने कितना इनसेंसेटिव डिसीजन लिया है और मैं चाहूँगा कि उस डिसिजन का सभी लोगों को निन्दा करनी चाहिए।

अध्यक्ष महोदय, बैंक ऑफ महाराष्ट्र सरकारी बैंक है और उसने पूरी ब्रांचेज़ को एक नोटिफिकेशन और सर्कुलर जारी करके यह कहा है कि देश भर में कोरोना वायरस फैला हुआ है, लोग परेशान हैं, तो अपने इंश्योरेंस प्रोडक्ट्स उसके अंदर बेचो। देखिए, उसमें क्या लिखा है-

> "Looking at the risk of pandemic "COVID 19", awareness and demand of Health Insurance have increased. This is the time to use this as business opportunity and help our customers by offering suitable Health Insurance Products."

यह बैंक ऑफ महाराष्ट्र सरकारी बैंक है, जहाँ एक तरफ हम दूसरे लोगों को कह रहे हैं कि अपना कारोबार बंद करो, बल्कि यहां तक कहा है कि इस पीरियड के अंदर स्पेशल ड्राइव चलाओ कि कोरोना वायरस की वजह से जितने इंश्योरेंस प्रोडक्ट्स हम बेच सकते हैं, बेचो और जो सबसे ज्यादा बेचेगा, उसको तीन लाख रुपये का इनाम दिया जाएगा। उस बैंक की ब्रांच का जो एप्रेजल रहेगा, वह इस बात के ऊपर निर्भर करेगा कि कितने इंश्योरेंस प्रोडक्ट्स बेचे गए हैं।

अध्यक्ष महोदय, हम चाहेंगे कि इस तरह के बैंक, जो इस मौके के ऊपर अपना धंधा-कारोबार बढ़ाने के लिए कर रहे हैं, उनके ऊपर कुछ न कुछ कार्रवाई होनी चाहिए।

माननीय अध्यक्ष : श्री डी.एन.वी. सेंथिलकुमार एस. को श्री सैयद इम्तियाज़ जलील द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

श्री अब्दुल खालेक – उपस्थित नहीं।

श्री गुरजीत सिंह औजला।